



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 81]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 29, 2011/वैशाख 9, 1933

No. 81]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 29, 2011/VAISAKHA 9, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

प्रारंभिक अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 2011

विषय :— कोरिया आर. पी., ताइवान (चीनी ताइपेई) एवं इजरायल के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित थैलिक एन्हाइड्राइड आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं. 14/1/2011-डीजीएडी.—यतः मै. आई. जी. पेट्रोकेमिकल्स लि., मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि., तिरुमलाई केमिकल्स लि. और एसआई ग्रुप इंडिया लि. (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् नियम कहा जाएगा) तथा समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात् नियम कहा जाएगा) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें उन्होंने कोरिया आर.पी. ताइवान (चीनी ताइपेई) एवं इजरायल (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित थैलिक एन्हाइड्राइड (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए पाटनरोधी जांच शुरू किए जाने का अनुरोध किया है।

1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद 'थैलिक एन्हाइड्राइड' (जिसे एतदपश्चात् 'संबद्ध वस्तु' कहा गया है) है जिसका आणविक सूत्र 'सी₈एच₄ओ₃' है। थैलिक एन्हाइड्राइड जिसे पीएन भी कहा जाता है, थैलिक एसिड का एन्हाइड्राइड है और ऑर्थो-जाइलीन या नेफ्थेलीन के उत्प्रेरिक ऑक्सीकरण के जरिए इसका वाणिज्यिक उत्पादन किया जाता है। यह एक रंगहीन ठोस है जिसे थैलिक एन्हाइड्राइड फ्लैक्स, थैलिक एन्हाइड्राइड (98% मिन.), थैलिक एसिड एन्हाइड्रस, थैलिक एन्हाइड्राइड (99.8% मिन.) आदि विभिन्न नामों से भी जाना जाता है। इस उत्पाद का उत्पादन एक ही ग्रेड में किया जाता है। जहाँ तक विभिन्न अनुप्रयोजनों का संबंध है, इसके विशिष्ट विभिन्न रूप नहीं हैं।

इसका उपयोग मुख्य रूप से थैलेट इस्टर्स का उत्पादन में होता है जो प्लास्टिजर्स के रूप में कार्य करते हैं। प्लास्टिक उद्योग में यह एक महत्वपूर्ण रसायन मध्यावर्ती है। इसका उपयोग पैट्स एवं लैकर्स में प्रयुक्त होने वाले पॉलिस्टर रेजिन्स, अल्काइड रेजिन्स, असंतृप्त पॉलिस्टर रेजिन्स, पॉलिस्टर पॉलिऑल्स, रंजक एवं पिगमेंट्स, हैलोजेनेटेड एन्हाइड्राइड्स, पॉलिथेरीमाइड रेजिन्स, आइसटॉनिक एन्हाइड्राइड, इन्सेक्ट रेपेलेंट्स जैसे उत्पादों के निर्माण में भी होता है। यह सीमाशुल्क उप शीर्ष सं. 29173500 के अंतर्गत वर्गीकृत एक कार्बनिक रसायन है।

2. समान वस्तु

आवेदक ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरीण आदि जैसे मापदण्डों के रूप में तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु अनिवार्य उत्पाद गुणधर्मों के रूप में संबद्ध देशों से आयातित उत्पादों के साथ तुलनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा पेशकश की जा रही वस्तु को प्रथम दृष्टया संबद्ध देशों से आयातित वस्तु के समान वस्तु माना जाता है।

3. घरेलू उद्योग की स्थिति

यह आवेदन संयुक्त रूप से मै. आई.जी. पेट्रोकेमिकल्स लि०, मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि०, तिरुमलाई केमिकल्स लि० और एसआई ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किया गया है। भारत में विचाराधीन उत्पाद का एक और उत्पादक है अर्थात् मै० एशियन पेंट्स इंडिया लि०। आवेदन में दिए गए उत्पादन संबंधी आँकड़ों के अनुसार जनवरी, 2010 - दिसम्बर, 2010 की प्रस्तावित जाँच अवधि के दौरान घरेलू उत्पादन में आवेदकों का हिस्सा लगभग 90.61% है।

मै० आई.जी. पेट्रोकेमिकल्स लि० तथा तिरुमलाई केमिकल्स लि० ने कोरिया आरपी (एक संबद्ध देश) से संबद्ध वस्तु का आयात किया है। मै० तिरुमलाई केमिकल्स लि० ने जाँच अवधि के दौरान 100 मी. टन का आयात किया है (जाँच अवधि के दौरान कोरिया आरपी से कुल आयातों का 0.41%)। जहाँ तक मै० आईजी पेट्रोकेमिकल्स का संबंध है, उन्होंने संबद्ध देश कोरिया आरपी से 1142 मी. टन का आयात किया है (जाँच अवधि के दौरान कोरिया आरपी से कुल आयातों का 4.6%)। आईजी पेट्रो द्वारा किए गए आयातों को अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई थी और मै० तिरुमलाई के केमिकल्स लि० के संबंध में संबद्ध देश से 100 मी. टन आयातों में से 33 मी. टन के लिए अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई थी। आवेदकों द्वारा जाँच अवधि के दौरान किए गए आयातों से यह स्पष्ट है कि (क) घरेलू उद्योग को स्वतः की गई क्षति के लिए आयात बहुत ही गौण हैं और (ख) मै० आईजी पेट्रो द्वारा किए गए समग्र आयात के लिए अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई थी और टीसीएल द्वारा किए गए आयातों का एक बड़ा हिस्सा अग्रिम लाइसेंस स्कीम के अंतर्गत है। इसे ध्यान में रखते हुए और प्राधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती मामलों में इस संबंध में अपनाए गए तर्कसंगत दृष्टिकोण की दृष्टि से प्राधिकारी इन दो निकायों अर्थात् मै० आईजी पेट्रोकेमिकल्स लि० और मै० तिरुमलाई केमिकल्स लि० (टीसीएल) को इस चरण में घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखे जाने को उपयुक्त नहीं मानते हैं।

उपर्युक्त की जाँच के पश्चात प्राधिकारी प्रथम दृष्ट्या यह निर्णय लेते हैं कि याचिकाकर्ता नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और यह आवेदन नियमावली के नियम-5 के अनुसार घरेलू उद्योग होने की शर्तों को पूरा करता है।

4. शामिल देश

वर्तमान जाँच में शामिल देश कोरिया आरपी, ताइवान (चीनी ताइपेई) एवं इजरायल हैं।

5. सामान्य मूल्य

आवेदकों ने दावा किया है कि विश्व-भर में किसी भी उत्पादक के लिए उत्पादन लागत 80-85% हिस्सा ऑक्सीलीन का होता है, अतः संबद्ध देशों में ऑक्सीलीन की कीमतों पर विचार करते हुए परिकलित उत्पादन लागत और सर्वाधिक कुशल आवेदक कम्पनी की भारत में बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ सहित उत्पादन लागत के आधार परिवर्तन लागत के आधार पर संबद्ध देशों में सामान्य मूल्य का दावा किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने निविष्टि कीमतों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव के कारण मासिक आधार पर सामान्य मूल्य का भी दावा किया है। जाँच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इसे संबद्ध देशों में सामान्य मूल्य के प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया है।

6. निर्यात कीमत

आईबीआईएस से एकत्रित सौदा-वार आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि समग्र पीओआई के लिए डीजीसीआई एंड एस के आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए निर्यातक देश में समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा और पत्तन व्यय हेतु समायोजन का दावा किया गया है। याचिकाकर्ता द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत के संबंध में पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं।

7. पाटन मार्जिन

इस बात के के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य कारखाना-द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक हैं जिससे प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर की गई है जिससे संबद्ध देशों के संदर्भ में अत्यधिक पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ता ने वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मानदण्डों से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई है। सूचना के विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में

सापेक्ष रूप से और भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में वृद्धि हुई है। बाजार हिस्से के नुकसान, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट, निवेश पर आय और नकद लाभ में अत्यधिक कमी जैसे विभिन्न आर्थिक मापदण्डों से प्रथम दृष्ट्या सामूहिक एवं संचय रूप से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

9 पाटनरोधी जाँच की शुरुआत

उपर्युक्त के मद्देनजर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कोरीया आरपी, ताइवान तथा इजराइल से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य पाए हैं। किसी कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए प्राधिकारी एतद्वारा उक्त नियमों के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन एवं घरेलू उद्योग को अनुवर्ती क्षति की जाँच शुरू करते हैं।

10. जाँच अवधि (पीओआई)

वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ जाँच अवधि 1 जनवरी, 2010 से 31 दिसम्बर, 2010 (12 माह) है। तथापि क्षति जाँच अवधि में 2007-08, 2008-09, 2009-10 और जाँच अवधि शामिल होंगे।

11. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देश में निर्यातकों, दूतावासों के जरिए उनकी सरकारों, इस जाँच से संबंधित के रूप में ज्ञात भारत में आयातकों और घरेलू उद्योग को निर्धारित रूप एवं प्रपत्र में संगत सूचना प्रस्तुत करने तथा नीचे दिए गए पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपने विचारों से 'अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
कमरा सं० 240
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

नियमों के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन मद के औद्योगिक प्रयोक्ताओं और प्रतिनिधि उपभोक्ता संगठनों को भी अवसर प्रदान किया जा रहा है, वे पाटन, क्षति एवं कारणात्मकता के संबंध में जाँच के संगत सूचना प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे निर्धारित समय-सीमा के भीतर जाँच के संगत अपने अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।

12. समय सीमा

वर्तमान जाँच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जाए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन (चालीस दिन) के भीतर पहुंच जानी चाहिए। तथापि ज्ञात निर्यातकों एवं आयातकों जिन्हें अलगब से लिखा गया है, को यह सूचना उन्हें भेजे गए पत्र की तारीख से 40 दिन (चालीस दिन) के भीतर भेजनी होगी।

13. सूचना प्रस्तुत करना

सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पाटनरोधी नियमावली के नियम 7(1) के अनुसार प्राधिकारी को प्रदत्त गोपनीय सूचना का पाटनरोधी नियमावली के नियम 7(2) के अनुसार अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है। यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार के विचार से ऐसी सूचना का सारांश तैयार करना संभव न हो तो उसका कारण बताते हुए एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

उपर्युक्त पैरा में उल्लिखित तथ्यों के होते हुए भी यदि प्राधिकारी संतुष्ट हो कि गोपनीयता का अनुरोध उचित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने या उसे सामान्यीकृत अथवा सारांश रूप में प्रकट करने का प्राधिकार देने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की उपेक्षा कर सकते हैं।

14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी एक सार्वजनिक फाइल रखते हैं। कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय सारांश वाली उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 29th April, 2011

Subject :—Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Phthalic Anhydride, originating in or exported from the Korea RP, Taiwan (Chinese Taipei) and Israel.

F. No. 14/1/2011-DGAD.—Whereas IG Petrochemicals Limited, Mysore Petrochemicals Limited, Thirumalai Chemicals Ltd., and SI Group India Limited (herein after referred to as applicants) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (herein after referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (herein after referred to as the Rules), alleging dumping of Phthalic Anhydride, originating in or exported from the Korea RP, Taiwan (Chinese Taipei) and Israel (herein after referred to as “subject countries”) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

1. Product under consideration

Product under consideration in the present investigation is “Phthalic Anhydride” (hereinafter referred to as “Subject Goods”), having molecular formula ‘ $C_8H_4O_3$ ’. Phthalic Anhydride, also referred as PAN, is an anhydride of Phthalic Acid, and is commercially produced by catalytic oxidation of Ortho- xylene or Naphthalene. It is a colourless solid, variously referred as Phthalic Anhydride flakes, Phthalic Anhydride (98% min.), Phthalic Acid Anhydrous, Phthalic Anhydride (99.8% min), etc. The product is produced only in one grade. As regards different applications, it does not have distinguishable different types of forms. It is mainly used in the production of phthalate esters, which functions as plasticizers. It is an important chemical intermediate in plastic industry. It is also used in making of the products like Polyester resins, Alkyd Resins used in paints and lacquers, Unsaturated Polyester Resins, Polyester Polyols, Dyes and Pigments, Halogenated Anhydrides, Polyetherimide Resins, Isatonic Anhydride, Insect Repellents. It is an organic chemical classified under Customs Sub-Heading No. 29173500.

2. Like Article

The applicant has claimed that there are no known differences in subject goods produced by the petitioner and those exported from subject countries. Both products are comparable in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. The goods produced by the domestic industry are comparable to the imported goods from subject countries in terms of essential product properties. The goods offered by the domestic industry are prima facie treated as like article to the goods imported from subject countries.

3. Domestic Industry Standing

The application has been jointly filed IG Petrochemicals Limited, Mysore Petrochemicals Limited and Thirumalai Chemicals Ltd., and SI Group India Limited. There is one more producer of product under consideration in India, viz., M/s. Asian Paints India Limited. As per the production figures provided in the application, the applicants' share in the domestic production is to the tune of 90.61% during the proposed POI of Jan'2010-December'2010.

M/s IG Petrochemicals Limited and Thirumalai Chemicals Limited are stated to have imported the subject goods from Korea RP (one of the subject countries). M/s Thirumalai Chemicals Ltd. have imported 100 MT during POI (0.41% of total imports from Korea RP during POI). As regards M/s IG Petrochemicals, they have imported 1142 MT (4.6% of total imports from Korea RP during POI) from subject country, Korea RP. The imports made by IG Petro were all got cleared under advance license and in respect of M/s Thirumalai Chemicals Ltd., out of total imports of 100 MT from subject country, Korea RP, 33 MT got cleared under advance license. From the imports made by the applicants during the POI, it is apparent that a) the imports are too insignificant to cause self inflicted injury to the domestic industry and b) the entire imports by M/s IG Petro got cleared under advance license scheme and a sizeable portion of imports by TCL is under advance license scheme. In view of this and keeping in view the reasoned position in this regard taken by the Authority in past cases, the Authority does not consider it appropriate to exclude these two entities, namely, M/s IG Petrochemicals Ltd. and M/s Thirumalai Chemicals Ltd. (TCL) from the scope of domestic industry at this stage.

The Authority after examining the above, holds that the applicants constitute Domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) and they satisfy the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

4. Countries involved

The countries involved in the present investigation are Korea RP, Taiwan (Chinese Taipei) and Israel.

5. Normal Value

Applicants have claimed that Oxylene account for 80-85% of total cost of production for a producer worldwide, hence normal value in subject countries is claimed on the basis of constructed cost of production considering Oxylene prices in the subject countries and conversion cost on the basis of cost of production of subject goods in India of the most efficient of the applicant companies, including selling, general & administrative expenses and reasonable profit. The petitioners have also claimed Normal Value on monthly basis because of significant price fluctuations in the input prices. The Authority, for the purpose of initiation, has adopted this as prima-facie evidence of Normal Value in the Subject Countries.

6. Export Price

Export price of the subject goods from the subject countries has been claimed on the basis of transaction-wise import data collected from IBIS. Petitioners have submitted that the DGCI&S data is not available for the entire POI. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, and port expenses. in the exporting country to arrive at ex-factory export price. There is sufficient prima facie evidence with regard to export price claimed by the petitioners.

7. Dumping Margin

There is sufficient prima facie evidence that the normal value of the subject goods in subject countries is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from subject countries into the Indian market. Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of the subject countries.

8. Injury and Causal Link

The applicant has furnished information on various parameters relating to material injury. Analysis of the information shows that imports from subject countries have increased in the period of investigation in absolute terms as also in relation to production and consumption in India. Various economic parameters like the loss in market share, significant decline in the profitability of the domestic industry, significant deterioration in return on investment and cash profit, prima facie, indicate collectively and cumulatively that the domestic industry have suffered material injury on account of dumped imports of subject goods from subject countries.

9. Initiation of anti-dumping investigations

The Designated Authority, in view of the foregoing, finds sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the Korea RP, Taiwan and Israel, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury. The Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged

dumping and to recommend the amount of antidumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

10. Period of Investigation (POI)

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st Jan 2010 to 31st Dec 2010 (12 months). The injury investigation period will, however, cover the period 2007-08, 2008-09, 2009-10 and the POI.

11. Submission of Information

The exporters in the subject country, Governments through the Embassies, the importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:

The Designated Authority
Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Government of India,
Room No. 240, Udyog Bhavan,
New Delhi – 110011.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation and to representative consumer organizations, who can furnish information relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

12. Time Limit

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately.

13. Submission of Information

In terms of Rule 7(2) of the AD Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority as per Rule 7 (1) of the AD Rules. If in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the

Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

Notwithstanding anything contained in para above, if the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalised or summary form, it may disregard such information.

14. Inspection of Public File

In terms of Rule 6(7), the Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by interested parties.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority